



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 358]
No. 358]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 2, 1987/आषाढ़ 11, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1987/ASADHA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1987

प्रधिसूचनाएं

सं. 260/87-सीमाशुल्क

शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छुट देती
है, अर्थात्—

- (1) आयातकर्ता को उक्त जोन में विनिर्माण यूनिट या यूनिटें स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (2) आयातकर्ता, जहां कहीं अपेक्षित हो, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किसी साधारण या विनिर्दिष्ट अनुज्ञापत्र के अंतर्गत आयात करेगा;
- (3) आयातकर्ता को उक्त माल को आयात करने के लिए आवश्यक अनुज्ञापत्र मंजूर की गई है;
- (4) आयातकर्ता 0:999 की विगुड़ता और शुद्धता वाले स्वर्ण को भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित किसी अन्य अधिकरण के माध्यम के मिकाय आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टंकसाल, मुम्बई द्वारा, ऐसी विगुड़ता वाले स्वर्ण पर, पहचान चिह्न मुद्रित किया गया है;
- (5) आयातकर्ता, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और धातुओं के विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और धातुओं के ऐसे निर्यात का संवर्धन करने के संबंध में किया जाएगा;

मांकां० 633(प्र).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान ही जमाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है इस अधिसूचना के उपाबंध में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उनका भारत में भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय द्वारा लोक सूचना सं० पी एन 59/आई०टी०सी० (पी०एन०) 1984 तारीख 10 दिसम्बर 1984 में अधिसूचित मुक्त व्यापार जोन में धातुओं के विनिर्माण के लिए आयात और निर्यात नीति 1984-85 के उपाबंध 20 से 22 के अनुसार, स्कीम के अधीन फाल्टा निर्यात प्रसंस्करण जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त जोन कहा गया है) में स्थापित रत्न और धातुओं युनिटों द्वारा या उनकी ओर से आयात किया जाए, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उस पर उद्योगधनीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्योगधनीय प्रतिरिक्त

- (6) आयातकर्ता, ऐसे प्ररूप और ऐसी राशि के लिए, जो उक्त जोन के विकास आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, एक बंध-पत्र निष्पादित करने के लिए करार करता है, जिसमें वह निर्यात बाध्यताओं का पालन करने और अन्य बातों के साथ-साथ इस अधिसूचना में अनुबद्ध शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं को बाध्य करता है;
- (7) आयातकर्ता उक्त जोन में माल को लाने और उक्त जोन के भीतर भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों का विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात के संवर्धन करने के लिए उनका उपयोग करने के लिए करार करता है;
- (8) आयातकर्ता, उक्त जोन के भीतर विनिर्मित या पैक किए गए सभी माल का भारत के बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है;
- (9) आयातकर्ता, माल के आयात, उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐसा लेखा समय-समय पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त को, ऐसे प्ररूप में ऐसी रीति से प्रस्तुत करेगा जो सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा अधिकारित की जाए;
- (10) उक्त जोन में विनिर्मित रत्न और आभूषण, जिसके अंतर्गत प्रतिक्षेपित माल भी है, को भारत में किसी अन्य स्थान में (अर्थात् घरेलू टैरिफ क्षेत्र) किसी भी प्रयोजन के लिए नहीं लाया जाएगा;
- (11) उस वृत्त में जब कोई युनिट अपना प्रचालन बंद करती है, आभूषणों के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातुएं मिश्रधातु, रत्न और सामग्री, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस निमित्त नामनिर्दिष्ट अधिकरण को सौंप दी जाएगी;
- (12) विनिर्माण प्रक्रिया में हुई स्वर्ण की हानि, जो जड़ाऊ आभूषणों की वृत्त में 3 प्रतिशत से और हस्ताक्षरित या भंडारण निमित्त सादा आभूषणों की वृत्त में 2 प्रतिशत से अधिक होगी, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, द्वारा ऐसी शर्तों को पूरा करने पर, जो विनिर्दिष्ट की जाएं, अनुज्ञात की जाएगी। और जाने और जड़ाई और वैसी ही वृत्त के अनुज्ञात अधिष्ठाता का अवसाधारण निर्यात की गई प्रत्येक जोन और जड़ाई के वैसी ही स्वर्ण की अंतर्बस्तु के भार के आधार पर किया जाएगा;
- (13) इस अधिसूचना के अधीन निर्यात, केवल कलकत्ता, बिमनपस्तन से, बायु माल भाड़े द्वारा किया जाएगा;
- (14) आयातकर्ता, मांग किए जाने पर, निम्नलिखित पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करेगा;

(क) ऐसे माल पर जो ऐसी पूंजी माल है, जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

- (1) उक्त जोन के भीतर संस्थापित किया गया है या अन्यथा उपयोग में लाया गया है या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या जड़ाई गई ध्वज के भीतर, जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त जोन के भीतर उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे;
- (2) उक्त जोन के भीतर संस्थापित या उपयोग किए जाने के पश्चात जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है;

(ख) पूंजी माल से भिन्न, ऐसे माल पर जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल :

- (1) भारत के बाहर निर्यात के लिए उक्त जोन के भीतर रत्न और आभूषण के विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात के संवर्धन के लिए उपयोग किया गया है, या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी जड़ाई गई ध्वज के भीतर जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अधिष्ठ के भीतर उसका उपयोग न किए जाने या उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करे, पुनः निर्यात किया गया है;
- (2) रत्न और आभूषण के निर्यात के संवर्धन के संबंध में उक्त जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ फाल्दा निर्यात प्रसंस्करण जोन में, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना 262-सीमाशुल्क/85 तारीख 16-8-85 के पैरा 4 में यथाविनिर्दिष्ट सीमाबद्ध स्थान समाविष्ट होंगे।

उपाबंध

माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. घटक
4. उदात्तन मशीनरी के अनुरिक्त पुर्जे
5. माल के विनिर्माण के लिए अर्पित उपकरण
6. औजार, जिम प्रभापी, जुड़नार, साँचे, डार्ड, यंत्र और उपसाधन
7. पैकिंग सामग्री
8. अधिवस्त्र और तकनीकी नमूने
9. विदेशी क्रेता द्वारा परिदाय या मरम्मत के लिए लेने में अक्षम रहने पर उक्त जोन से आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पुनः आयातित माल।

[सं० 260/87-सीमाशुल्क एक०सं० 305/60/87-एक० टी० टी०]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Now Delhi, the 2nd July, 1987

NOTIFICATIONS

No. 260/87-CUSTOMS

GSR 633(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter referred to as the said goods), when imported into

India by or on behalf of the gem and jewellery units set up in Faltia Export Processing Zone at Calcutta (hereinafter referred to as the said Zone) under the Scheme, for the manufacture of jewellery in free trade zones notified by the Government of India, in the Ministry of Commerce, in public Notice No. P. N. 59[ITC(PN)]-84, dated the 10th October, 84, as Annexure V to Appendix 22 of the Import and Export Policy, 1984-85 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the said zone;
- (ii) the importer is covered, wherever required, by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence, for the import of the said goods;
- (iv) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other Agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (v) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods so imported shall be used in the manufacture, or packaging of gem and jewellery for export out of India, or for, the promotion of exports of gem and jewellery;
- (vi) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as may be specified by the Development Commissioner of the said Zone binding himself to fulfill the export obligation and to fulfill, inter-alia, the conditions stipulated in this notification;
- (vii) the importer agrees to bring the goods into the said Zone and use them within the said Zone in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export but of India or for the promotion of such exports of gem and jewellery ;
- (viii) the importer agrees to export out of India all goods manufactured or packaged within the said Zone;
- (ix) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the goods and of exports made by him and shall submit such account periodically to the Assistant Collector of Customs, in such form and in such manner, as may be laid down by the Collector of Customs;

- (x) gem and jewellery, including the rejects, manufactured in the said Zone, shall not be brought to any other place in India (that is to say the Domestic Tariff Area) for whatever purpose;
- (xi) in the event of such a Unit ceasing its operation, gold, other precious metals, alloys, gem and material for the manufacture of jewellery shall be handed over to the Agency, nominated in this behalf by the Government of India in the Ministry of Commerce;
- (xii) the loss of gold in the manufacturing process, not exceeding 3 per cent in the case of studded jewellery, and 2 per cent in the case of handcrafted or machine made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as he may specify; and in the case of findings and mountings and the like, the wastage allowed shall be determined on the basis of the weight of the gold content of each findings, mountings and the like exported;
- (xiii) export under this notification shall be allowed only by air freight through the Calcutta Airport;
- (xiv) the importer shall pay on demand, an amount equal to the duty leviable:—
 - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been :—
 - (i) installed or otherwise used within the said Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the said Zone or for not re-exporting them within the said period; allow ;
 - (ii) retained within the said Zone after installation or use inside the said Zone;
 - (b) on goods, other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been :—
 - (i) used in connection with the manufacture or packaging of gem and jewellery within the said Zone for export out of India or for the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;

- (ii) retained within the said Zone in connection with the promotion of exports of gem and jewellery.

Explanation: For the purposes of this notification the FALTA Export Processing Zone shall comprise of the places enclosed by the boundaries as specified in paragraph 4 of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 262-Customs/85 dated the 16-8-1985 as amended from time to time.

ANNEXURE

Description of goods

1. Capital goods.
2. Raw Materials.
3. Components.
4. Spares of production machinery.
5. Consumables required for manufacture of goods
6. Tools, Jigs Gauges, Fixtures, Moulds, Dies Instruments and Accessories.
7. Packaging Materials.
3. Prototypes and technical samples.
9. Goods re-imported within one year from the date of exportation from the said Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.

[No. 260/87-Customs-F. No. 305/60/87-FTT.]

सं० 261/87 सीमाशुल्क

सां०क०नि० 634 (घ) — केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 93 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क

अधिनियम, 1962 की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 207/87-सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1987 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के उपबन्ध अनुसूची में, क्रम सं० 291 और उसके संबंध प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अन्तर्स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

'292 सं० 260/87-सीमाशुल्क, तारीख 2 जुलाई, 1987'।

[सं० 261/87-सीमाशुल्क-फा० सं० 305/60/87-एफ० टी० टी०]

भार० के० कपूर, भवर सचिव

No. 261/87-CUSTOMS

GSR 634(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 93 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so as to, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 207/87-Customs, dated the 12th May, 1987, namely:—

In the Schedule to the said notification, after S. No. 291 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely:—

'292 No. 260 Customs, dated the 2nd July, 1987'.

[No. 261/87-Customs-F. No. 305/60/87-FTT.]

R. K. KAPOOR, Under Secy.